हर पल दा, ओ दातिए, शुक्राना तेरा ॥

हर पल दा, ओ दातिए, शुक्राना तेरा ॥
जो भी, मेरे पास है वोह* ॥, नज़राना तेरा,,,
हर पल दा, ओ दातिए,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मुझ पे, हर पल, तेरी* इतनी, किरपा होई ॥
देख के, तेरी किरपा मेरी, आँखे रोई ॥
तूँ जाने, देने* का क्या है ॥, बहाना तेरा,,,
हर पल दा, ओ दातिए,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

यह, अहसास है, मुझको* यही, दिल ने माना ॥
तेरी, किरपा बड़ी, दाती मेरा, छोटा शुक्राना ॥
तूँ मुस्काए, तो होता है* ॥, मुस्काना मेरा,,,
हर पल दा, ओ दातिए,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

तेरी किरपा, की छाया* हो, ज्ञान के सर पे ॥
कहे, पुनीत मैं बैठा रहूँ, बस तेरे दर पे ॥
शायद तुझको, भा गया है* ॥, झुक जाना मेरा,,,
हर पल दा, ओ दातिए,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33643/title/Har-pal-da--O-daatiye--Shukrana-Tera-Datiye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |